बाल सामग्री

मानव तस्करी के पीड़ितों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस

एक बच्चे से यूहन्ना १०:१० पढ़ने के लिए कहें: 'मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं।'

इस भाग को रचनात्मक तरीके से साझा करें

बाइबल में बहुत सी कहानियाँ हैं कि परमेश्वर इस संसार में प्रत्येक से कितना प्रेम करता है। यीशु ने एक किसान और उसकी भेड़ के बारे में एक कहानी सुनाई।

एक बार एक अच्छा, दयालु किसान था जो अपनी भेड़ों से प्यार करता था। वह यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत करता था कि सभी सुरक्षित और स्वस्थ हैं। किसान हर दिन अपनी भेड़ों की गिनती करता था यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनमें से कोई भी गायब तो नहीं है। (आप बच्चों की गिनती कर सकते हैं)1,2,3,4....99,100!.... 1,2,3,4,99,100. 1,2,3,4,99,100. लेकिन फिर एक दिन, कुछ अलग हुआ। 1,2,3,4,99...99...99. - अरे नहीं! केवल 99 भेड़ थीं! किसान की कीमती भेड़ों में से एक गायब थी! उसने दोपहर के लिए थोड़ा भोजन पैक किया और अपनी लापता भेड़ को खोजने के लिए निकल गया। वह जानता था कि वह तब तक वापस नहीं आएगा जब तक वह भेड़ मिल नहीं जाती क्योंकि हर एक भेड़ बेहद कीमती और मूल्यवान थी। वह अपनी भेड़ों से बहुत प्यार करता था। वह नहीं चाहता था कि उसकी एक भी भेड़ भरपूर जीवन से चूक जाए। वह पहाड़ों पर चढ़ गया(आप चढ़ने का नाटक कर सकते हैं), वह पानी में उतर गया(आप तैरने का नाटक कर सकते हैं) और आखिर में, उसे अपनी खोई हुई भेड़ मिल गई! उसने खुशी महसूस की! वह अपनी भेड़ को वापस घर ले आया 1,2,3,4,99,100! किसान अपनी सभी भेड़ों को प्यार करता था। और वह यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी करेगा कि प्रत्येक भेड़ सुरक्षित, स्वस्थ थी और एक पूर्ण जीवन जी सकती थी।

आश्चर्यजनक प्रश्न

मुझे आश्चर्य है कि आपको कहानी का कौन सा हिस्सा सबसे अच्छा लगा?

मुझे आश्चर्य है कि कहानी के किस भाग ने आपको यीशु की याद दिला दी?

मुझे आश्चर्य है कि कहानी का कौन सा हिस्सा आपके बारे में है?

मुझे आश्चर्य है कि पूर्ण जीवन का क्या अर्थ है?

गुलामी और तस्करी भयानक चीजें हैं। यह तब है जब लोगों की आजादी छीन ली गई है, उन्हें ऐसा बना दिया गया है कि उन तरीकों से काम करें जो उन्हें असुरक्षित बनाते हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है मानो उनकी कोई कीमत ही नहीं। उन्हें अब पूरा जीवन जीने को नहीं मिलता। जब लोगों के साथ इस तरह का बुरा व्यवहार किया जाता है, तो यह परमेश्वर को भी बहुत दुखी और क्रोधित कर देता है। परमेश्वर नहीं चाहता कि उसका एक भी बहुमूल्य जन दुखी, आहत या अपने आप में परेशान होता रहे। परमेश्वर चाहता है कि हर कोई बहुतायत का जीवन पाए। वह कहता है कि जिन लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता है हम उनकी मदद कर सकते हैं। हम उसके सम्मान, रहम और प्रेम के सुसमाचार को फैलाने में सहायता कर सकते हैं जो पृथ्वी के सब लोगों के लिए हैं, ताकि ज्यादातर लोग एक दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार कर सकें। हम अगुवों की सहायता भी मांग सकते हैं कि लोगों की अच्छी तरह सुरक्षा हो, ताकि वे किसी अन्य के द्वारा दुखित न हों। यह जानना परमेश्वर को बेहद आनन्दित करता है कि उसके बहुत से बच्चे हैं जो उसके प्रेम को फैलाने में और संसार को एक सुरक्षित स्थान बनाने में उसकी मदद कर रहे हैं।

छोटे बच्चों को शिक्षित करना

रहस्य सुरक्षित नहीं हैं - कभी-कभी हम लोगों को आश्चर्यचकित कर सकते हैं; हम किसी के लिए एक उपहार खरीद सकते हैं जिसको पाने का उनको अन्दाजा नहीं। लेकिन आश्चर्य और रहस्य अलग अलग हैं। बड़े बच्चे और वयस्क जो हमसे प्रेम रखते हैं यह नहीं चाहेंगे कि हम कोई बात को छुपा कर रखें। यदि कोई व्यक्ति आपसे बातों को छुपाकर रखने के लिए कहता है, तो आप स्वतंत्र हैं कि किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करें। यदि कोई व्यक्ति आपसे बातों को गुप्त रखने के लिए कहता है, तो आप स्वतंत्र हैं कि किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करें।

परमेश्वर ने आपको बहुमूल्य बनाया है - बच्चों से पूछें, वह क्या है जो आपके लिए बहुत कीमती है? जब कोई चीज बहुमूल्य होती है, तो हम उसके साथ कैसा बर्ताव करते हैं? क्या आप जानते हैं कि परमेश्वर ने आपको बहुमूल्य बनाया है? आपके हाथ, आपके पैर, आपका मन, आपकी भावनाएँ - आपका हर अंग बहुमूल्य है! परमेश्वर चाहता है सभी एक दूसरे के साथ ऐसा व्यवहार करें जैसे वे अनमोल हैं। अफसोस की बात है कि कई बार लोग ऐसा नहीं करते। अगर कोई आपके साथ बुरा व्यवहार करता है, आपको ना कहने की अनुमति है। आप किसी भरोसेमंद वयस्क को भी बता सकते हैं

गतिविधियां

गोपनीय बनाम आश्चर्य!

कमरे के एक तरफ 'गोपनीय नामित करें और एक तरफ 'आश्चर्य'। बच्चों को बताएं कि आप एक दृश्य का अभिनय करेंगे। जरूरत के मुताबिक जो वे सही समझते हैं उन्हें गोपनीय या आश्चर्यजनक दिशा में दौड़ना होगा। जिस दृश्य को आप उचित समझते हैं इससे आपका नजरिया बदल जाएगा। निम्नलिखित केवल कुछ उदाहरण हैं:

- एक दोस्त कह रहा है कि एक सरप्राइज बर्थडे पार्टी होने जा रही है, और जन्मदिन लड़के/लड़की को नहीं बताना (आश्चर्य)
- परिवार का एक सदस्य जिसे आप अच्छी तरह से नहीं जानते हैं, कहते हैं वे आपको कुछ उपहार खरीद के दे सकते हैं, लेकिन आप माँ या पिताजी को नहीं बता सकते (गुप्त)

मैं मूल्यवान हूँ! (स्मृति खेल)

बच्चों को एक घेरे में बैठने को कहें। वे बारी-बारी से गोले में चलते हैं, कोई एक ऐसी बात बोलते हुए जो उन्हें कीमती/बहुमूल्य बनाती है। जब उनकी बारी आती है, तो वे अपना उत्तर देते हैं, और फिर गोले में ही प्रत्येक व्यक्ति के उत्तरों को दोहराएं जो पहले से ही चल रहा है।

आवाज दें!

बच्चों को मजेदार तरीके से बोलने का अभ्यास करने दें। ऐसे वाक्यांश का प्रयोग करें जैसे 'मैं सुरक्षित महसूस नहीं करता/करती', 'मैं नहीं चाहता/चाहती', 'यह मुझे बुरा महसूस कराता है'। बच्चों से एक क्रिया करने के लिए कहें, और आपके द्वारा चुने गए वाक्यांश को जोर से एक साथ बोलने के लिए कहें। उन्हें कुछ आसान परिदृश्य दें और उन्हें उकसाएं कि वे आपसे वही वाक्यांश कहें, जैसे कि:

'मेरे साथ आओ, तुम्हारे परिवार को कोई आपत्ति नहीं होगी।' - 'मैं सुरक्षित महसूस नहीं करता/करती!'

'यहाँ पर बस यही एक चीज है ले लो, यह ठीक रहेगा' - 'मैं सुरक्षित महसूस नहीं करता/करती!'